an>

title: Need to provide adequate grant to farmers on drip irrigation system and solar system to give impetus to farm production in the country.

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : भारतीय कृषि मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर करती है। मानसून समय पर नहीं आने तथा ओलावृष्टि के कारण अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। अतिवृष्टि में बाढ़ें आ जाती हैं। फसल पकने पर ओलावृष्टि वर्षा से फसलें चौपट हो जाती हैं। इन विषम परिस्थितियों में किसान अपना एवं देश के लोगों को अनाज उत्पन्न कर उनके पालन-पोषण में सहायता करता है। हमारी सरकार किसान हितैषी है एवं उनकी खुशहाली के लिए चिन्तित भी है। किसानों को संकट से उबरने के लिए एवं उसको बीज, खाद, सिंचाई, उपकरण एवं सौर ऊर्जा उपकरणों आदि पर अनुदान दिया जाता रहा है। पिछले कुछ साल से केन्द्र सरकार द्वारा ड्रिप सिंचाई एवं सोलर सिस्टम पर अनुदान कम कर दिया गया है। अनुदान की राशि कम करने से किसानों में रोष व्याप्त है।

तुलनात्मक विवरण -

संयंत्र	कृषक श्रेणी	सत्र 2013-14 का देय अनुदान					सत्र 2014-15 का देय अनुदान				
		देय अनुदान प्रतिशत	प्रतिशत अंश				देय अनुदान प्रतिशत	प्रतिशत अंश			
			केन्द्रीयांश	राज्यांश	अति-राज्यांश	कृषक अंश		केन्द्रीयांश	राज्यांश	अति-राज्यांश	कृषक अंश
ड्रिप सिंचाई संयंत्र	सामान्य	90	40	10	40	10	50	25	10	15	50
	लघु/सीमांत	90	40	10	40	10	70	35	10	25	30
	डीपीएपी/डीडीपी क्षेत्र के लघु/सामान्य कृषक	90	40	10	40	10	70	35	10	25	30
	डीपीएपी/डीडीपी क्षेत्र के लघु/सामान्य कृषक	90	40	10	40	10	70	50	10	10	30
सौलर पम्प	डीपीएपी/डीडीपी क्षेत्र के लघु/सामान्य कृषक	86	56	30	0	14	70	30	40	0	30
	डीपीएपी/डीडीपी क्षेत्र के लघु/सामान्य कृषक	86	56	30	0	14	70	30	40	0	30

राजस्थान का 2/3 भाग मरूस्थलीय एवं अर्द्ध मरूस्थलीय है एवं संपूर्ण राज्य में वर्षा कम होती है। यहां पर ड्रिप सिंचाई एवं सौर ऊर्जा से सिंगल फेज ट्यूबवैल चलाए जाते हैं। सौर ऊर्जा संयंत्रों में किसानों को अनुदान देने से पिछले कुछ वर्षों में किसान इनका भरपूर उपयोग कर रहे हैं।

अतः मेरा माननीय कृषि मंत्री जी से आग्रह है कि पूर्व की भांति इन पर किसानों को अनुदान दिलाया जाए ताकि देश के कृषि उत्पादन में वृद्धि हो सके।